Dr. RANJEET KUMAR
Deptt. of History
H.D. Jain College, Ara.

Notes For- M.A. Sem- I, CC-2, Unit- III

Topic - **हड़प्पा संस्कृति के प्रमुख स्थल** :- सिंधु सभ्यता के बारे में आम धारणा यह है कि यहाँ सिर्फ नगर ही थे। परंतु ऐसा सोचना गलत होगा। सिंधु सभ्यता से संबद्ध सैकड़ों स्थलों में कुछ नगर, बड़े ग्राम एवं कस्बे थे। कस्बों/ग्रामों की संख्या निश्चित रूप से नगरों से अधिक थी। कुछ नगर बंदरगाह के रूप में भी विकसित हुए। इस सभ्यता के समस्त क्षेत्र पर नियंत्रण रखने हेतु संभवतः एक से अधिक राजधानियाँ या प्रशासनिक केन्द्र भी थे। यहाँ संक्षेप में इस सभ्यता से संबद्ध स्थलों का परिचय प्राप्त करना आवश्यक है।

हड़प्पा :- यह स्थल मुल्तान (पाकिस्तान) जिले में रावी नदी के किनारे है। सबसे पहले इसी स्थल की खुदाई से सिंधुघाटी की सभ्यता प्रकाश में आई। यहाँ की खुदाई से नगर-निर्माण योजना तथा सभ्यता के अन्य पहलुओं के विषय में जानकारी मिली है। यहाँ अन्नागार पाए गए हैं।

हड़प्पा करीब 5 Km क्षेत्र में विस्तृत था।

हड़प्पा से गढ़ी और निचले नगर की योजना प्रकाश में आई है। गढ़ी के निर्माण में मिट्टी और कच्ची ईंटों का इस्तेमाल हुआ है। इसका मुख्य प्रवेश द्वार उत्तर की ओर था। गढ़ी के निकट कारीगरों की बस्ती और भट्ठियां मिली हैं।

मोहनजोदड़ो :- इसे 'मृतकों का टीला' (mound of the dead) भी कहा जाता है। यह स्थान भी पाकिस्तान के लरकाना (सिंध) जिले में स्थित है। यह सिंधु नदी के पूर्वी किनारे पर बसा हुआ था। यह हड़प्पा से 483 Km की दूरी पर स्थित था तथा सिंधु नदी द्वारा हड़प्पा से जुड़ा हुआ था।

→ यह नगर करीब ढाई वर्ग-किलोमीटर क्षेत्र में फैला हुआ था। यहां की जनसंख्या लगभग 35,000 थी। कुछ विद्वानों का अनुमान है कि इस नगर की जनसं० एक लाख के लगभग थी। यहाँ का सबसे प्रमुख भवन विशाल स्नानागार (Great Bath) है। यहां की गढ़ी और पक्की ईंटों से बना एक बुर्ज मिला है। यहाँ से अन्नागार और अन्य भवनों के अवशेष भी पाए गए हैं।

लोथल :- लोथल, हड़प्पा-संस्कृति का एक प्रमुख स्थल माना जाता है। यह गुजरात में खंभात की खाड़ी के समीप स्थित है। इस स्थल की खुदाई भी एस० आर० राव ने करवाई है। इस स्थल की खुदाई से अनेक भवनों एवं दुकानों के अग्नावशेष प्रकाश में आए हैं। यहाँ एक गोदीवाड़ा (dockyard) का भी प्रमाण मिलता है।

कालीबंगा :- यह स्थान राजस्थान के गंगानगर जिले में स्थित है। यह प्राचीन शहर सरस्वती नदी (घग्गर) के किनारे बसा हुआ था। कुछ विद्वानों का अनुमान है कि हड़प्पा और मोहनजोदड़ो की ही तरह कालीबंगा भी सैंधव साम्राज्य की तीसरी राजधानी थी। यहां लकड़ी से बनी नालियों के अवशेष मिले हैं, जो, अन्यत्र नहीं पाए जाते।

राखीगढ़ी :- यह स्थान जींद के निकट है। यहां से हड़प्पापूर्व और हड़प्पाकालीन पुरावशेष मिले हैं। यहां से एक लिपिबद्ध मुहर भी मिली है।

धोलावीरा :- भारत के गुजरात राज्य के कच्छ जिले की भचाऊ तालुका में स्थित एक पुरातत्व स्थल है। यहाँ सिंधु घाटी सभ्यता के अवशेष और खण्डहर मिलते हैं। और यह उस सभ्यता के सबसे बड़े ज्ञात नगरों में से एक था। इस पुरातत्व स्थल को धोलावीरा गाँव निवासी शिवुदान गढ़वी ने 1960 ई० के दशक के प्रारंभ में खोजा था। यह नगर 47 हेक्टेयर (120 एकड़) के चतुर्भुजीय क्षेत्रफल पर फैला हुआ था। यहां पर आबादी लगभग 2650 ईसापूर्व में आरंभ हुई और 2100 ई० पू० के बाद कम होने लगी।